10. क्रिया तथा काल

वे शब्द जो किसी न किसी काम के करने का संकेत देते हैं, व्याकरण की भाषा में क्रिया कहलाते हैं। क्रिया द्‌वारा काम का करना, होना या घटित होना पता चलता है। क्रिया के घटित होने के समय के बारे में काल बताता है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका पाठ पृष्ठ 73 पर दिए वाक्यों के द्‌वारा चित्र में हो रही क्रियाओं के बारे में बातचीत करें।
- ❖ क्रिया वाक्यों को पूर्ण तथा अर्थवान बनाती है, बताएँ।
- ❖ बिना क्रिया के वाक्य अधूरे रहते हैं, यह समझाएँ।
- ❖ समझाएँ, किसी वाक्य में एक या एक से अधिक क्रिया भी हो सकती है। जैसे– अनिल पढ़ा। अनिल पढ़ रहा है।
- ❖ बच्चों की रोचकता बनाए रखने के उद्‌देश्य से पूछें, जब वे सुबह स्कूल आ रहे होते हैं या छुट्‌टी के समय वे रास्ते में क्या-क्या क्रियाएँ होते देखते हैं आदि।
- ❖ समझाएँ, क्रिया का रूप लिंग-वचन के आधार पर बदलता रहता है। जैसे– लिंग के आधार पर– लड़का खेला। लड़की खेली। वचन के आधार पर परिवर्तन– मैं खाऊँगा। हम खाएँगे।
- ❖ सुनिश्चित करें, बच्चों को क्रिया भली-भाँति समझ आ गई है।
- ❖ क्रिया के भिन्न-भिन्न रूप बच्चों से पढ़वाएँ। बताएँ, क्रिया रूप पर काल का प्रभाव पड़ता है।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दिए गए काल के भेदों के बारे में बताएँ। बच्चों को उदाहरण देते हुए विभिन्न काल भेदों में अंतर समझाएँ।
- ❖ मौखिक प्रश्नों के उत्तर बच्चों से पूछें।
- ❖ अभ्यास बच्चों से करवाएँ।